

also taken into consideration. He should also assure us that they are going to implement all the projects which are under consideration.

SHRI BIJU PATNAIK: I do not know what Mr. Lakkappa, my friend, was trying to get at. I have answered the question of my friend. (*Interruptions*) I will not let them down. Even so, if the Andhra friends take up cudgels against me for the Karnataka friends because you are contiguous, I have to say that there is a possibility of steel plant being located in Karnataka, but the location may change. But there is a clear possibility. As I have said earlier, the Visakhapatnam Plant will have the first priority in the expansion programme of the Janata Government. Salem production will be on stream by 1981. As far as the plant at Vijaynagar is concerned, I had discussions with the Chief Minister, experts and other people. It is very clear that the cost of production of the land-locked plant located in Karnataka will be far higher than the port based plant in Karnataka, in Mangalore. The economic possibilities are being studied and I can assure the hon. Member that I will not deal with such massive investment for any political consideration, whatsoever.

SHRI D. D. DESAI: The items which are imported, namely, cold rolled grain oriented silicon steel electrical sheets for electric industry as well as tin plate—I would say tin sheets—which are required for the container industry, both are continuing to be imported. Would the hon. Minister say what is the time table for manufacture of both these items within the country?

SHRI BIJU PATNAIK: I have already given it in the statement. Perhaps the hon. Member wants to know about cold rolled grain oriented and non-oriented silicon electrical sheets. I think what he says is about CRGO sheets. A project of Rs. 111 crores is now under consideration of the Gov-

ernment which will produce about 65,000 to 70,000 tonnes of CRGO sheets, and other improvements are being made in the Rourkela Steel Plant itself for which we have recently sanctioned Rs. 27 crores to re-vamp the hot strip mills so that more cold-rolled sheets could be produced from that plant. By 1981-82 when the Bokaro expansion is complete, the entire demand of the cold-rolled sheets of India will be more than fully met.

Sixth National Conference on Communicable Diseases

*568. **SHRI SHIV SAMPATI RAM:** Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the Sixth National Conference on communicable diseases had urged the Government to establish a statutory agency to look into the problem of water pollution and enforce effective control through suitable measures to be adopted by local agencies;

(b) whether the Conference had also said in a resolution that the tuberculosis programme in the country was not progressing satisfactorily; and

(c) the reaction of Government and the steps taken in this regard?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री राज नारायण) : (क) जी हाँ।

(ख) जी हाँ।

(ग) सरकार ने इस सम्बन्ध में कुछ कदम उठाये हैं। उनका एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(ग) सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाये हैं :—

1. भारत सरकार ने 1974 में एक अधिनियम लागू किया था जिसका नाम

है “जल (संदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974” जिसके अन्तर्गत जल संदूषण के नियंत्रण से संबंधित सभी मामलों की जांच की जा सकती है। इसके अतिरिक्त मल-निकास (मानव और पशुओं का मल, गन्दा पानी आदि) की अव्यवस्था जो जल संदूषण का महत्वपूर्ण कारण है, को भी इस अधिनियम के अन्तर्गत लाया गया है।

2. सरकार राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन और विस्तार के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। ये कदम इस प्रकार हैं:—

- (क) देश के प्रत्येक जिले में समुदायवार जिला क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम चलाना।
- (ख) बी०सी०जी० टीके लगाने के काम को सामान्य स्वास्थ्य सेवा के साथ मिलाना।
- (ग) देहाती इलाकों में चिकित्सा अधिकारियों और बहुदृश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (पुरुष और महिला) का क्षय रोग के रोगियों का पता लगाने के काम में सहयोग प्राप्त करना जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में थूक इकट्ठा करना और क्षयरोग से पीड़ित रोगियों का घर पर इलाज करना भी शामिल है।
- (घ) राज्यों में जिन जिला क्षयरोग केन्द्रों में अभी तक कोई एक्सरे उपकरण नहीं हैं वहाँ ऐसे उपकरण उपलब्ध कराने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता से एक्सरे उपकरण प्राप्त करना।
- (ङ) राज्य क्षयरोग केन्द्रों के काम को फिर से तेज करना और उन्हें इस कार्यक्रम को मोनीटर और सुपरवाइज करने में लगाना।
- (च) राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम में लोगों का पर्याप्त सहयोग सुनिश्चित

करने के लिए देहाती क्षेत्रों में बाल-चिकित्सकों, प्राइवेट चिकित्सकों और सामुदायिक नेताओं का सहयोग प्राप्त करना।

(छ) क्षयरोग में स्वास्थ्य शिक्षा को जन अभियान के रूप में आरम्भ करना।

श्री शिव सम्पत्ति राम : माननीय मंत्री जी के उत्तर से सम्बन्धित। क्या माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि देश भर में टी० बी० के कुल कितने रोगी हैं? सम्मेलन में एक संकल्प में कहा है कि देश में क्षय रोग कार्यक्रम संतोषजनक ढंग से प्रगति नहीं कर रहा है तो सरकार ने इस कार्यक्रम को लागू करने के लिए जो कदम उठाए हैं उनको पूरा करने में कितना समय और खर्चा लगेगा?

श्री राज नारायण : सम्मानित सदस्य ने सम्मेलन के बारे में प्रश्न किया है। सम्मेलन की क्या रिकमेंडेशन्स हैं वह मैं मोटे तौर पर बता दूँ। यह सम्मेलन 17-19 दिसम्बर को हुआ था और इसकी अध्यक्षता श्री डा० सुशीला नैयर। इसकी रिकमेंडेशन्स कुछ इस प्रकार हैं :

“The tuberculosis programme in the country is not progressing satisfactorily. A national sample survey is required to be taken up as the last survey is 20 years old. Apart from the survey, it should be reviewed and a methodology should be worked out to intensify it.”

(व्यवधान) जब कोई कोटेशन या रेजोलूशन होगा उसको मैं अंग्रेजी में ही पढ़ दूँगा। जब मुझे अपने हृदय और आत्मा से बोलना होगा तो मैं अपनी मातृभाषा में ही बोलूँगा।

इसका जो आखिरी हिस्सा है उसको भी मैं पढ़ दूँ :

"For effective public health education, it is necessary that there should be a study of social habits and customs of the population in rural areas. Involvement of local leaders, school teachers, local *Dais* and local indigenous practitioners seems to be necessary for effective health delivery to the masses. Fusion of modern ideas has to be made with the established health practices the people have been following for a long time. Exposure of medical students to the communicable diseases is too meagre in comparison to the mortality and morbidity brought about by communicable diseases. At least three months should be devoted to the study of communicable diseases."

"Every hospital should have an Isolation Ward. In the training of medical students, it is necessary to place much greater emphasis on Pollution of Water, Land and Food, Campaign for improvement of environmental sanitation to be taken up at all levels."

श्रीमन्, मैं माननीय सदस्यों को यह जानकारी भी करा दूँ कि छूत के रोग क्या-क्या होते हैं और कैसे फैलते हैं और उसके लिये हम ने क्या किया है। एक सेंट्रल बोर्ड बना है, इसके अलावा 14 राज्यों में एक-एक बोर्ड बनाया गया है। यह 1974 का एक्ट है, लेकिन मैं सदस्यों की जानकारी के लिए बता देना चाहता हूँ कि इस बोर्ड के तहत आज तक जो कार्यवाही होनी चाहिए थी, वह कार्यवाही नहीं के बराबर हुई है। चूँकि आज हम को उत्तर देना था, इसलिये हम ने बोर्ड के चेअरमैन साहब को बुलाया था। बोर्ड के चेअरमैन हैं—श्री निलय चौधरी और इस बोर्ड में 15 मेम्बर्स हैं। यदि मैं सब के नाम पढ़ कर बताऊँ तो इसमें थोड़ी देर लगेगी। लेकिन मैं एक बात कह देना चाहता हूँ—वाटर-पोल्यूशन—पानी के दूषित होने से बहुत से रोग पैदा हो रहे हैं। हम ने इन चेअरमैन साहब से जानकारी हासिल

करनी चाही कि राज्यों में जो बोर्ड बने हुए हैं, उनसे सेंट्रल बोर्ड ने कब-कब क्या कार्यवाही कराई? उदाहरण के लिये गंगा के पानी को लेते हैं—वाराणसी गंगा का पानी, कलकत्ता गंगा का पानी। गंगा को हम गंगा-माता कहते हैं, जैसे जाह्नवी का पवित्र तट है—वाराणसी, जो संस्कृत का केन्द्र है, विश्व का केन्द्र हैं, लेकिन वाराणसी की गंगा में कितनी ज्यादा गन्दगी है, जो कही नहीं जा सकती। गंगा नदी को यदि हम देखें तो वह दिखाई पड़ती है—निर्मल चन्द्रिका, प्रफुल्ल ५ मल्लिका, कोकिल की काकिली, पुरुष का हृदय और श्री यशवन्तराव चव्हाण के लिये रमणी का मुखड़ा। तो ऐसी पवित्र गंगा की धारा को अशुद्ध कर दिया है। पुरानी सरकार ने इस सम्बन्ध में अब तक कोई कार्यवाही नहीं की, लेकिन अब नई सरकार जो श्री मोरारजी देसाई के नेतृत्व में बनी है, हम उसके लिये काम करने जा रहे हैं।

MR. DEPUTY SPEAKER: The Question Hour is now over.

SHRI A. BALA PAJANOR: I would be thankful to you if you can ask the Hon. Minister to at least speak slowly while speaking in his beautiful Hindi so that we may also be able to follow something. The entire House is laughing at his jokes and humour, but we are mere spectators without being able to participate in the discussion.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

ग्रामीण श्रमिकों को मजूरी का भुगतान
* 569. श्री श्रीम प्रकाश त्यागी : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि ग्रामीण क्षेत्रों के श्रमिकों को वह मजूरी नहीं दी जा रही है जो सरकार ने निर्धारित की है; और